श्रद्धांजलि

हम सबके अति स्नेही, साकार मात-पिता के हाथों पले, बापदादा के दिलतख्तनशीन, यज्ञ-सेवाओं के आदि रत्न, अथक और निरन्तर सेवाधारी, तन, मन, धन, समय, श्वास सहित पूर्ण यज्ञ-समर्पित, दधिचि ऋषि समान हड्डी-हड्डी विश्व सेवार्थ स्वाहा करने वाले, ओजस्वी वाणी के धनी, सदा बेहद सेवा के चिन्तन में रहने वाले आदरणीय भ्राता लक्ष्मण जी सन् 1959 में ईश्वरीय ज्ञान में चले और तभी से ईश्वरीय सेवा में संलग्न हो गए। लौकिक रूप से आप शिक्षक थे और पदोन्नत होकर शिक्षा-अधिकारी बने। जहाँ-जहाँ आपका तबादला हुआ, उस-उस क्षेत्र की अनेकानेक आत्माओं में ज्ञान का बीज बोने, गीता-पाठशालाएँ और सेवाकेन्द्र खोलने के आप निमित्त बने। आप प्रोजेक्टर और प्रदर्शनी से गाँव-गाँव सेवा करते थे जिसकी महिमा प्यारे बाबा समय प्रति समय साकार मुरलियों में करते हैं। आपके पढ़ाए हुए बहुत सारे विद्यार्थी, जो ईश्वरीय ज्ञान से लाभान्वित हुए, अनेक स्थानों पर बाबा की सेवाओं में मददगार और सहयोगी का पार्ट बजा रहे हैं।

आपका सारा ही लौकिक परिवार (पिताजी, माताजी, लौकिक युगल, छोटे तीन भाई, छोटी एक बहन, छोटे भाई के बच्चे) यज्ञ में समर्पित और सहयोगी हैं। बाबा आपके परिवार को योगियों का गुलदस्ता कहते थे। ज्ञानामृत तथा वर्ल्ड रिन्युवल के सम्पादक भ्राता आत्मप्रकाश जी आपके छोटे भाई हैं। अमृतसर सेवाकेन्द्र प्रभारी ब्र.कु.राज बहन आपकी छोटी बहन हैं।

प्रारम्भ से ही यज्ञ की बेहद सेवाओं में आपका सक्रिय योगदान रहा। जब प्रेस देहली में थी तब भ्राता जगदीश जी के साथ आपने विभिन्न प्रकार के साहित्य और पत्रिकाएँ प्रकाशन में अथक योगदान दिया। आप अंग्रेजी भाषा के साथ-साथ इतिहास के अच्छे ज्ञाता थे। अपनी पाई-पाई यज्ञ-सेवा में सफल करते हुए आपने बहुत सादा पर उच्च विचारों के साथ जीवन जीया।

सोनीपत के समीप यज्ञ को मिली लगभग 40 एकड़ जमीन को निर्माण कार्य के लिए निर्विघ्न बनाने में आपने अथक प्रयास किया और सफलता पाई। आपका आत्म पंछी शायद इसी सफलता की इंतजार में था। सूचना आने के चंद दिनों बाद ही आप 08-01-2017 को शाम चार बजकर 6 मिनट पर अव्यक्त बापदादा की गोद में चले गए। जीवन भर सेवा देने वाली आप आत्मा ने अन्त में भी बहुत कम सेवा ली और आगे की सेवाओं पर तत्पर हो गए। आपकी शारीरिक आयु 87 वर्ष थी। ऐसे स्नेही, अथक सेवाधारी, त्यागी, तपस्वी, एकनामी और एकोनोमी के धनी, महान आत्मा को पूरा दैवी परिवार श्रद्धा-सुमन अर्पित करता है।